आभ्रक का निर्यात

105. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गत तीन वर्षो के दौरान अभ्रक के निर्यात में गिरावट आई हैं;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ग) वर्तमान में किन-किन देशों को आभ्रक का निर्यात किया जा रहा हैं और गत तीन वर्षो के दौरान इन देशों के साथ कितनी राशि का व्यापार किया गया ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी. चिदम्बरम्) : (क) से (ग) पिछले तीन वर्षो के दौरान आभ्रक तथा आभ्रक उत्पादों का निर्यात निम्नानुसार रहा हैं:-

मात्रा: हजार मी. टन

मूल्य: करोड़ रू

वर्ष	मात्रा	मूल्य
1991-92	34.9	55.5
1992-93	27.7	38.4
1993-94	33.8	42.7

पूर्ववर्ती सोवियत संघ और पूर्वी यूरोपीय देशों से मांग समाप्त होने की वजह से अभ्रक के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा हैं। इसके अलावा, कुछ अभ्रक उत्पादों का उत्पाद-प्रतिस्थापन और प्रौद्योगिकीय अप्रचलन हुआ हैं। इस समय, अभ्रक का निर्यात 50 से भी अधिक देशों को किया जाता हैं। प्रमुख आयातक देश बेल्जियम, फ्रांस जर्मनी, जापान और संयुक्त राज्य अमरीका हैं।

Applications for registration of patents rights before WTO

106. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) how many applications have been filed for registration of patents Rights before the WTO State-wise; and

(b) what are the names of the Organisations which have filed these applications?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) Applications for patents are not filed before the WTO.

(b) Does not arise.

UNDP assisted project on floriculture in Bihar

107. SHRI S.S. AHLUWALIA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government are implementing UNDP assisted project on floriculture for enhancing production and exports of our flowers in the State of Bihar;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what other measures Government propose to take for enhancing export of floriculture products from Bihar?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Steps taken to enhance the exports of floriculture products for the country as a whole, including Bihar, *inter-alia* include:

(i) Providing financial assistance for development of infrastructure such as refrigerated/insulated vans and setting up of pre-cooling/cold storage units.

(ii) Making available the benefits of duty free imports under the Export Oriented Units/Export Processing Zones Schemes to units engaged in floriculture and permitting 50% Sale of their production in the Domestic Tariff Area;

(iii) Participation in international fairs/exhibitions.

(iv) Concessional customs duty on specified goods required for Green Houses.